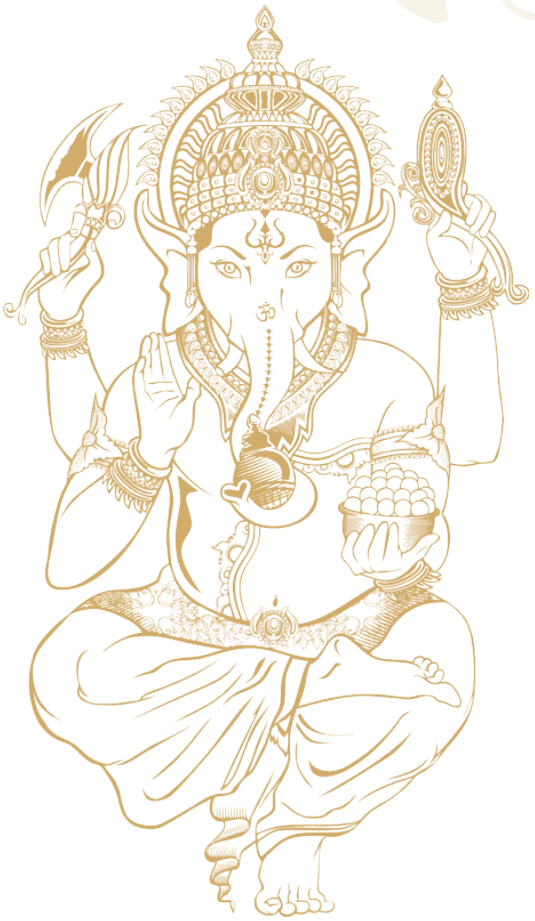

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120495506

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/04/1998	जन्म तिथि	03/12/1999
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 17:05:00	जन्म समय	08:25:00 घंटे
घटी 28:12:52	जन्म समय(घटी)	04:15:02 घटी
India	देश	India
Mauranipur	स्थान	Jhansi
25:15:00 उत्तर	अक्षांश	25:27:00 उत्तर
79:11:00 पूर्व	रेखांश	78:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:13:16	स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:47:51	सूर्योदय	06:45:50
18:37:32	सूर्यास्त	17:24:52
23:49:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:06

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 11मा 25दि	15:29:03	कन्या	लग्न	धनु	07:54:26	मंगल 6वर्ष 10मा 19दि
राहु	05:22:51	मेष	सूर्य	वृश्चि	16:37:41	गुरु
15/04/2019	01:08:26	मक	चंद्र	कन्या	23:33:01	22/10/2024
14/04/2037	10:57:42	मेष	मंगल	मक	11:23:10	22/10/2040
राहु 26/12/2021	15:59:22	मीन व	बुध	तुला	26:23:02	गुरु 10/12/2026
गुरु 20/05/2024	23:23:17	कुंभ	गुरु व	मेष	01:41:19	शनि 22/06/2029
शनि 27/03/2027	20:17:28	कुंभ	शुक्र	तुला	02:52:29	बुध 28/09/2031
बुध 14/10/2029	00:16:26	मेष	शनि व	मेष	17:50:35	केतु 03/09/2032
केतु 01/11/2030	15:21:53	सिंह	राहु व	कर्क	11:37:17	शुक्र 05/05/2035
शुक्र 01/11/2033	15:21:53	कुंभ	केतु व	मक	11:37:17	सूर्य 21/02/2036
सूर्य 26/09/2034	18:35:15	मक	हर्ष	मक	19:42:32	चन्द्र 22/06/2037
चन्द्र 27/03/2036	08:16:12	मक	नेप	मक	08:25:07	मंगल 29/05/2038
मंगल 14/04/2037	13:49:17	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:29:43	राहु 22/10/2040

लग्न-चलित

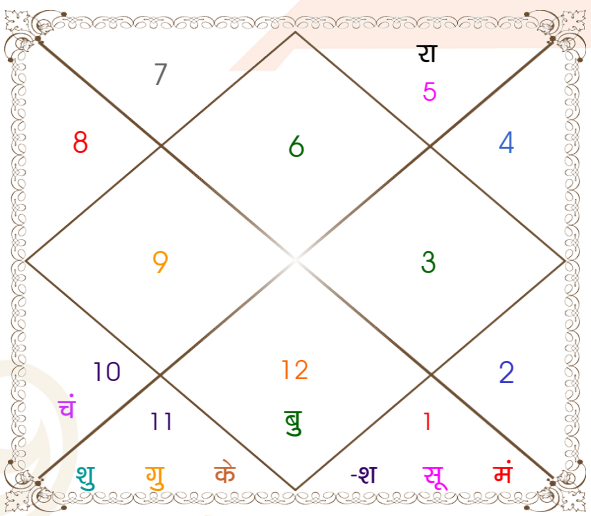

लग्न-चलित

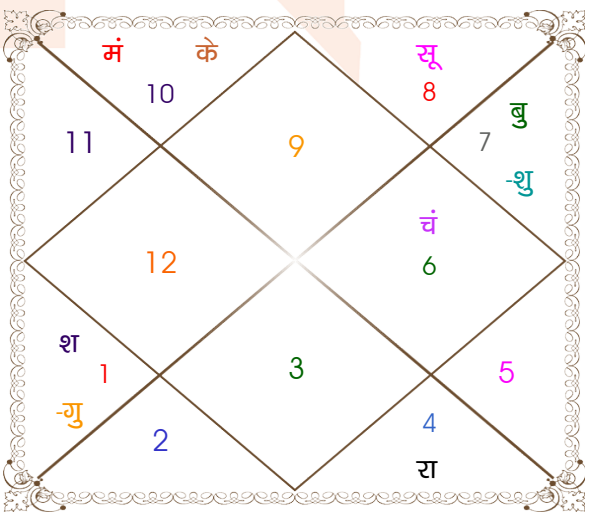

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।